औघड़ धूनी | By Ruchita Tiwari

भोले के दरबार में दुनिया बदल जाती है
रहमत से इसकी तक़दीर बदल जाती है

गले पहरे है सर्पों की माला
महादेव भक्तों के प्रतिपाला
रमावे धूनी भोले भंगिया

चन्द्रभान तेरे सर पर गंगा बहती जाए
अंग बाघम्बर सोहे महाकाल तू भस्म रमाये
तेरी लीला है जग से न्यारी
भोला नंदी की तू करता सवारी
रमावे धूनी भोले भंगिया

जटाधारी शिव शम्भू तेरे कानो में कुण्डल साजे
भूत प्रेत सब नाचे जब डम डम डमरू बाजे
चाहे सोमनाथ हो या हो काशी
मैंने तुमको ही पाया अविनाशी
रमावे धूनी भोले भंगिया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%94%e0%a4%98%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%a7%e0%a5%82%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-ruchita-tiwari/